दिन– मंगलवार | दिनांक– 05/08/2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। | अवधि – 15 मिनट

---

01. राज्य मंत्रिमंडल ने शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में डोमिसाइल नीति लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। आशा कार्यकर्ताओं को अब तीन हजार रुपये और ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव छह सौ रुपये मिलेगी प्रोत्साहन राशि।

02. मतदाता सूची के प्रारूप पर पांच दिनों के बाद भी राजनीतिक दलों की ओर से अब तक नहीं दर्ज करवाई गई है किसी प्रकार की दावा–आपत्ति।

03. गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी से पटना, बक्सर और मुंगेर समेत कई जिलों के निचले इलाके बाढ़ की चपेट में।

04. और, बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का उनासी वर्ष की आयु में निधन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताई गहरी संवेदना।

राज्य मंत्रिमंडल ने शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में डोमिसाइल नीति लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। अब शिक्षक नियुक्ति के लिए राज्य के मूल निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि डोमिसाइल नीति शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण से ही प्रभावी होगी।

–––बाइट–––

डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य अनुदेशकों की मानदेय राशि दोगुनी करने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। अब मध्याह्न भोजन योजना में कार्यरत रसोइयों को एक हजार छह सौ पचास रुपए की जगह तीन हजार तीन सौ रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा।

वहीं, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत रात्रि प्रहरी को प्रतिमाह पांच हजार रुपए की जगह दस हजार रुपए मानदेय मिलेगा। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य अनुदेशकों की मानदेय राशि प्रतिमाह आठ हजार रुपए से बढ़ाकर सोलह हजार रुपए कर दी गयी है। वहीं, इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि दो सौ रुपए के स्थान पर चार सौ रुपए करने का निर्णय लिया गया है।

———बाइट———

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी के प्रस्ताव को कैबिनेट ने स्वीकृति दी है। अब आशा कार्यकर्ताओं को एक हजार रुपये की जगह तीन हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। वहीं, ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव तीन सौ रुपये की जगह छह सौ रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

———बाइट———

इसके अलावा कैबिनेट ने मुख्यमंत्री डिजिटल लाईब्रेरी योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में एक डिजिटल लाईब्रेरी खोली जाएगी। इसके अलावा कैबिनेट ने मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना, मुख्यमंत्री साईकिल योजना और मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना की राशि अब सीधे डीबीटी के माध्यम से छात्र–छात्राओं के बैंक खाते में भेजने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है।

———————————————————

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत पांच दिनों बाद भी किसी राजनीतिक दल ने प्रारूप सूची पर दावा–आपत्ति दर्ज नहीं करवाई है। चुनाव आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया है कि आम मतदाताओं की ओर से अब तक दो हजार आठ सौ चौंसठ दावा आपत्ति की गई है।

———————————————————

बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का आज नई दिल्ली में निधन हो गया। वे उनासी वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सत्यपाल मलिक चार अक्टूबर दो हजार सत्रह से बाईस अगस्त दो हजार अठारह तक बिहार के राज्यपाल रहे थे। इसके अलावा उन्होंने जम्मू कश्मीर, गोवा और मेघालय के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया था। उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,

राज्यपाल आरिफ मोहम्म खां, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में आरोपों के गठन पर अब सात अगस्त को फैसला आएगा। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में आज इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को निर्धारित की है। इस मामले में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव समेत चौदह आरोपी हैं।

निगरानी जांच ब्यूरो की टीम ने खगड़िया नगर थाना में पदस्थापित दारोगा सीमा कुमारी और चौकीदार वीरू पासवान को बीस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों पुलिसकर्मी शिकायतकर्ता से एक मामले में मदद के एवज में घूस ले रहे थे।

प्रदेश में मानसून की सक्रियता से बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक राज्य में बारिश की गतिविधियां बनी रहेंगी। उत्तर बिहार के कई हिस्सों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इधर, विभाग ने आज पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर और मधुबनी जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

प्रदेश से होकर गुजरने वाली अधिकतर नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी का सिलसिला जारी है। केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा नदी का जलस्तर बक्सर में लाल निशान से इकतालीस सेंटीमीटर ऊपर रिकॉर्ड किया गया। वहीं, नदी का जलस्तर पटना के दीघा घाट, गांधी घाट और हाथीदह में खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। भागलपुर और कहलगांव में भी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मुंगेर में नदी का जलस्तर लाल निशान से मात्र तीस सेंटीमीटर नीचे

दर्ज किया गया। इधर, सोन नदी पटना के मनेर में और पुनपुन नदी श्रीपालपुर में खतरे के ऊपर बनी हुई है। बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर खगड़िया में लाल निशान से अट्ठाईस सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया। वहीं, बागमती नदी का जलस्तर बेनीबाद में खतरे के निशान से चार सेंटीमीटर ऊपर चला गया है। कोसी नदी खगड़िया के बलतारा और कटिहार के कुर्सेला में लाल निशान से ऊपर बनी हुई है।

नदियों के जलस्तर में हो रही बढ़ोत्तरी के कारण पटना के दियारा इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। और ब्यौरा हमारे संवाददाता से....

---रिपोर्ट---

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के कारण दानापुर दियारा के सात पंचायतों– हेतनपुर, काशीमचक, पुरानी पानापुर, मानस, गंगाहारा, पतलापुर और नवदियरी में बाढ़ जैसे हालात हो गये हैं। खेतों में लगी फसल पूरी तरह डूब चुकी है। बख्तियारपुर का सतभैया रामनगर, हरदासपुर दियारा, काला दियारा, चिरैंया और रूपसमहाजी पूरी तरह पानी से घिर चुके हैं। मनेर प्रखंड की तीन पंचायत– किता चौहत्तर–मध्य, किता चौहत्तर–पश्चिमी और किता चौहत्तर– पूर्वी के कई गांव भी बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। इधर, पुनपुन नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से सैदपुर–डुमरी, रानीपुर, बिक्रमपुर, जफराबाद और अब्दुलापुर समेत कई गांव के निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। इधर, बरसाती नदियों में उफान से फतुहा से लेकर दनियांवा तक बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। धर्मेन्द्र कुमार राय आकाशवाणी समाचार पटना।

इधर, बक्सर जिले में पांच अंचलों की ग्यारह पचांयतों के बाईस गांव आंशिक रूप से बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। भोजपुर जिले के जवईनिया गांव में गंगा नदी का कटाव लगातार जारी है। जिले का शाहपुर, बड़हरा और कोईलवर प्रखंड बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। शिक्षा विभाग ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के इकहत्तर विद्यालयों को नौ अगस्त बंद रखने का आदेश दिया है।

बेगूसराय से हमारे संवाददाता ने बताया कि शाम्हो, मटिहानी, बलिया, बछवाड़ा और बरौनी प्रखंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मुंगेर जिले के कुतलुपुर, जाफरनगर, तारपुर दियारा के रहिया, टीकारामपुर सहित कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि बाढ़ प्रभावितों के लिए बहत्तर आश्रय स्थल की पहचान की गई है।

इधर, खगड़िया जिले में गंगा, कोसी और गंडक नदी के उफान पर रहने के चलते कई नये इलाके बाढ़ की चपेट में आ गये हैं।

---रिपोर्ट---

जिले के तटवर्ती और निचले इलाके के कई गांव बाढ़ के पानी से पूरी तरह घिर चुके हैं। सदर प्रखंड की कुतलुपुर पंचायत से जिला मुख्यालय आने–जाने के लिए सड़क संपर्क पूरी तरह भंग हो गया है। वहीं, बरियारपुर के तरहरिया पंचायत अंतर्गत मुरला मुसहरी गांव चारों तरफ से बाढ़ के पानी से घिर चुका है। लोग ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावितों के बीच पॉलिथिन शीट बांटी जा रही है। आकाशवाणी समाचार के लिए खगड़िया से प्रभात सुमन।

हमारे कटिहार संवाददाता ने बताया कि गंगा और कोसी समेत अन्य नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं।

–––रिपोर्ट–––

गंगा नदी का पानी मनिहारी नगर पंचायत क्षेत्र के निचले इलाकों में प्रवेश कर गया है। लंच घाट और आस–पास के इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। अमदाबाद प्रखंड के कई गांवों में भी बाढ़ का पानी फैलने लगा है। मेघु टोला, तिलोकी डारा और चामा गांव जाने वाली सड़क पर पानी आ जाने से आवागमन प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द राहत और बचाव कार्य चलाने की अपील की है। आकाशवाणी समाचार के लिए कटिहार से मुकेश कुमार चौधरी।

इधर, बांका से हमारे संवाददाता ने बताया कि कुमरसार और धौरी गांव के बीच बदुआ नदी पर बना डायवर्सन टूट गया है। इस कारण इस रास्ते से कांवरियों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। इधर, बांका के जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर डायवर्सन को फिर से चालू कराने के निर्देश दिये हैं।

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर..........

01. राज्य मंत्रिमंडल ने शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में डोमिसाइल नीति लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। आशा कार्यकर्ताओं को अब तीन हजार रुपये और ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव छह सौ रुपये मिलेगी प्रोत्साहन राशि।

02. मतदाता सूची के प्रारूप पर पांच दिनों के बाद भी राजनीतिक दलों की ओर से अब तक नहीं दर्ज करवाई गई है किसी प्रकार की दावा–आपत्ति।

03. गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी से पटना, बक्सर और मुंगेर समेत कई जिलों के निचले इलाके बाढ़ की चपेट में।

04. और, बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का उनासी वर्ष की आयु में निधन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताई गहरी संवेदना।

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।